विदेश मंत्री
भारत

सत्यमेव जयते

Minister of External Affairs
India

सुषमा स्वराज
Sushma Swaraj

संदेश

भाषा और संस्कृति का आपस में अनूठा मेल है, जो किसी भी समाज के साहित्य, मूल्यों और सम्पूर्ण जीवनशैली का समग्र चित्रण करने के साथ–साथ देश के गौरव एवं इतिहास को रेखांकित करते हैं। अलग–अलग देशों में अलग–अलग भाषाओं और संस्कृतियों का विकास हुआ है। भाषा और संस्कृति की दृष्टि से भारत एक अत्यंत समृद्ध देश है। विश्व पटल पर हिन्दी भाषा के विकास व भारतीय संस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण में विभिन्न देशों में बसे भारत वंशियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मॉरीशस को हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति के संवर्धन की दृष्टि से छोटा भारत भी कहा जाता है। यह अपार हर्ष का विषय है कि विश्व हिन्दी सम्मेलनों के आयोजन के क्रम में 11वां विश्व हिन्दी सम्मेलन, 18–20 अगस्त, 2018 तक मॉरीशस में आयोजित किया जा रहा है और सम्मेलन का मुख्य विषय "हिन्दी विश्व और भारतीय संस्कृति" है।

मुझे आशा है कि 11वां विश्व हिन्दी सम्मेलन देश विदेश से आए हिन्दी प्रेमियों और हिन्दी विद्वानों को हिन्दी भाषा व उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं से स्वयं को परिचित कराने और हिन्दी से संबंधित पारंपरिक तथा समकालीन विषयों पर विचार विमर्श एवं उसके संवर्धन पर चर्चा करने के लिए एक वृहद् मंच उपलब्ध कराएगा। साथ ही साथ यह सम्मेलन भारतीय संस्कृति के वैश्विक आयामों से भी परिचित कराएगा।

11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए मेरी बहुत–बहुत शुभकामनाएँ।

सुषमा स्वराज

(सुषमा स्वराज)

172, South Block, New Delhi-110011 Tel : 91-11-23011127, 23011165 Fax : 91-11-23011463